भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3289

जिसका उत्तर शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

कर्नाटक में उर्वरकों का वितरण

3289. श्री पी. सी. मोहन:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 'एक राष्ट्र, एक उर्वरक' पहल के अंतर्गत 'भारत' ब्रांड के उर्वरकों का कर्नाटक में वितरण किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विगत दो वर्षों के दौरान उक्त राज्य को वर्ष-वार आपूर्ति की गई भारत यूरिया, भारत डीएपी, भारत एमओपी तथा भारत एनपीके की मात्रा कितनी है;

(ख) उक्त राज्य में 'भारत' ब्रांड के अंतर्गत उर्वरकों का वितरण करने वाली उर्वरक कंपनियों, राज्य व्यापार संस्थाओं और उर्वरक विपणन संस्थाओं की संख्या कितनी है;

(ग) क्या उक्त राज्य में उर्वरकों के क्रिस-क्रॉस मूवमेंट में कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इससे किसानों को क्या लाभ प्राप्त हुए हैं; और

(घ) क्या उक्त राज्य में उर्वरकों की वर्तमान उपलब्धता वर्ष 2026 के खरीफ मौसम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): "एक राष्ट्र, एक उर्वरक" स्कीम "प्रधानमंत्री भारतीय जनउर्वरक परियोजना (पीएमबीजेपी)" के अंतर्गत 24 अगस्त, 2022 से लागू की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र, सहकारी क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र की सभी उर्वरक कंपनियों के लिए देशभर में सब्सिडीयुक्त उर्वरकों की बिक्री "भारत" ब्रांड नाम से करना अनिवार्य किया गया है। इस स्कीम का उद्देश्य उर्वरकों की उपलब्धता के लिए विकल्पों का विस्तार करना, बाजारों में विभिन्न कंपनियों द्वारा उत्पादित अनेक ब्रांडों के बीच चयन को लेकर किसानों की दुविधा को दूर करना, उर्वरकों के अनावश्यक अंतर-राज्यीय संचलन (Crisscross Movement) को कम करना तथा कर्नाटक राज्य सहित देशभर में उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एकल "भारत" नामक ब्रांड के अंतर्गत उर्वरकों का विपणन किए जाने से पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है, कदाचारों पर नियंत्रण स्थापित होता है तथा फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्त्वों की समान उपलब्धता सुनिश्चित होती है।

प्रत्येक फसल मौसम के प्रारंभ होने से पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) सभी राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है। डीएएंडएफडब्ल्यू द्वारा अनुमानित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करते हुए राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

तदनुसार, पिछले दो वर्षों और चल रहे खरीफ मौसम 2026 के दौरान कर्नाटक राज्य में उर्वरकों, अर्थात यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की उपलब्धता पर्याप्त रही है। पिछले दो वर्षों के दौरान राज्य में उक्त उर्वरकों की आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री के बारे में जानकारी **अनुलग्नक-क** में और चल रहे मौसम की **अनुलग्नक-ख** में दी गई है।

इसके अलावा, कर्नाटक राज्य में प्रचालनरत प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता/कंपनियां जी.एस.एफ.सी, इफको, कृभको, एम.एफ.एल, पी.पी.एल, आर.सी.एफ, आर.एफ.सी.एल, एस.पी.आई.सी, एफ.ए.सी.टी, आई.पी.एल, सी.आई.एल, जी.एफ.एल, एस.टी.एल, एन.बी.सी.एल और एन.एफ.एल. हैं।

****

अनुलग्नक-क

यह अनुलग्नक 07.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.3289 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक के लिए है।

कर्नाटक

2024-25 से 2025-26 तक उर्वरकों की आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री

आंकड़े एलएमटी में

क्रम.सं	वर्ष	यूरिया			डीएपी			एमओपी			एनपीकेएस		
		आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री
1	2024-25	17.25	22.63	19.17	5.64	6.55	5.86	1.95	3.08	2.21	16.20	25.46	20.90
2	2025-26	18.77	21.55	18.85	5.98	7.79	6.09	2.27	3.25	2.46	17.10	27.20	21.35
1. सहज उपलब्धता का प्राथमिक संकेतक: उपलब्धता > आवश्यकता													
2. सहज उपलब्धता का द्वितीयक संकेतक: उपलब्धता > बिक्री													

अनुलग्नक-ख

यह अनुलग्नक 07.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.3289 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक के लिए है।

कर्नाटक

मौजूदा खरीफ़ 2026 (01.04.26 से 03.08.26 तक) के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता की स्थिति

आंकड़े एलएमटी में

क्रम.सं	उत्पाद	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री
1	यूरिया	7.16	9.54	5.31
2	डीएपी	2.91	3.46	2.54
3	एमओपी	1.42	1.65	0.86
4	एनपीकेएस	8.14	12.87	7.62

1. सहज उपलब्धता का प्राथमिक संकेतक: उपलब्धता > आवश्यकता

2. सहज उपलब्धता का द्वितीयक संकेतक: उपलब्धता > बिक्री